Date.: __/__/____
MON TUE WED THR FRI SAT SUN

Subject ____________

1(A) तापीय प्रतिलोमन :-
- वायुमंडल में ऊँचाई मे वृद्धि के साथ तापमान में कमी की जगह वृद्धि हो जाना तापीय प्रतिलोमन कहलाता है।
- गर्म वायु ठंडी वायु के ऊपर स्थापित हो जाती है।

उत्पत्ति के क्षेत्र - उपोष्ण कटिबंध, ध्रुवीय क्षेत्र आदि

1(B) मिश्रित कृषि :-
- जब कृषि भूमि का उपयोग अनाज अथवा फसल उत्पन्न करने के साथ पशुपालन के चारे अथवा एक भूमि पर दो भिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन किया जाता है।
- आय के दूसरा स्रोत के रूप मे की जाती है।

1(C) राहत एवं पुनर्वास :-
- राहत एवं पुनर्वास वे कार्यकलाप है जो किसी आपदा अथवा संकटकाल परिस्थिति के घटित होने के पश्चात् किये जाते है।
राहत - घटना के समय जोखिम कम करने हेतु किये गये कार्यकलाप
पुनर्वास - घटना की क्षतिपूर्ति के लिये किये गये कार्यकलाप होते है।
उदा. - भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग

1(D) सापेक्ष आर्द्रता :-
वायुमंडल मे पायी जाने वाली जलवाष्प आर्द्रता कहलाती है। एवं किसी निश्चित आयतन की वायु मे वास्तविक जलवाष्प की मात्रा एवं इसमें उपस्थित वास्तविक जलवाष्प की मात्रा को सापेक्ष आर्द्रता कहा जाता है।

1(E) जेट पवनें :-
- क्षोभ मंडल मे पश्चिम से पूर्व की ओर प्रबल वेग वाली वायु धाराओं को जेट धाराएं कहा जाता है।
- दो प्रकार की तरंगे (1) ऊर्ध्वाधर तरंगे :-
(2) क्षैतिज तरंगे :-
- भारत में मानसून निर्धारित करती है।

Scanned by CamScanner

Subject

1(F) अवनालिका अपरदन :

- जल द्वारा मृदा को बहकर एक स्थान से दुसरे स्थान पर एकत्रित होने की प्रक्रिया में पोषक तत्व आदि क्षीण हो जाते है एवं यह बहावजलनालियों / नाले के रूप मे होता है। ऐसे मे भी यह मृदा कृषि कार्यो के लिये उपयुक्त नही होती एवं ~~प्रक्रिया~~ संपूर्ण क्षेत्र बीहड़ मे परिवर्तित हो जाता है उदा० म०प्र० की चंबल घाटी।

1(G) एटॉल :

- ऐसे द्वीप जिनका निर्माण प्रवालों से हुआ है।
एटॉल रिंग नुमा होतें है। - उदा० लक्षद्वीप मे मिलने वाले प्रवाल द्वीप -
- उच्चजैव विविधता वाले क्षेत्र होतें है।

1(H) दीप्ति प्रसारण :

- किसी सतह पर सूर्यप्रकाश के पड़ने के बाद प्रकाश की जितनी मात्रा वापस लौटती है। Reflect होती है। उस मात्रा को दीप्ति प्रसारण कहा जाता है।
- काले रंग की वस्तुओ का शून्य दीप्ति प्रसारण होता है। चूंकि पूर्ण प्रकाश को अवशोषित कर लेती है।

1(I) गाँधीसागर बाँध →

- मंदसौर मे स्थित है
- चंबल नदी परियोजना के अंतर्गत निर्मित है।

1(J) सौर्यिक स्थिरांक :

सूर्य के प्रकाश वायुमंडल मे अवशोषित होने के पश्चात जितनी मात्रा में पृथ्वी पर पहुंचता है।
- एक वर्ग मी क्षेत्र में एक सेकंड में पड़ने वाली सूर्य के प्रकाश की मात्रा सौर्यिक स्थिरांक कहलाता है।

Scanned by CamScanner

Subject

1(K) भ्रंशोत्थ पर्वत :- जब चट्टानों मे स्थित भ्रंश के कारण मध्य भाग नीचे धँस जाता है और आस पास का भाग ऊँचा उठने लगता है। ऐसे पर्वत ब्लॉक / भ्रंशोत्थ पर्वत कहलाते है।
उदा. ब्लैक फोरेस्ट जर्मनी , साल्ट रेंज पाकिस्तान

1(L) (1) नर्मदा
(2) ताप्ती

1(M) टेथिस भूसन्नति :-
(वेगनर के सिद्धांत) कार्बोनिफेरस युग के समय जब पैंजिया (संपूर्णपृथ्वी) का विभाजन हुआ तो उत्तरी क्षेत्र अंगारालैण्ड एवं दक्षिणी क्षेत्र गोण्डवाना लैण्ड कहलाया - इसके मध्य टेथिस सागर था - जिसमें कालांतर मे प्लेट टेक्टोनिक सिद्धांत के अनुसार वलन पड़ने से हिमालय की उत्पत्ति हुई।

1(N) ITCZ :-
~~ऐसा निम्नद कम्~~ यह निम्नदाबी क्षेत्र होता है। जहाँ गर्म वायु ऊपर उठती है, क्यूंकि सूर्य की किरणे लंबवत् पड़ती है। इसमें ~~यह~~ दक्षिण पूर्वी उच्चदाब के क्षेत्र से व्यापारिक पवनों का संचार होता है एवं मानसून का निर्धारण होता है। भारत में यह सूर्य के उत्तरायण (ग्रीष्म ऋतु) मे निर्मित होता है।

1(O) शस्य गहनता :-
एक ही खेत से एक कृषि वर्ष के दौरान कई फसलें प्राप्त करना। - मिश्रित फसल सिद्धांत

Scanned by CamScanner

Subject

2 (A) कोयला सँचित राशि ः

~~म.प्र. कोयला उत्पादक राज्यो में से एक है~~

भारत मे कोयला उद्योगों को उद्योगो की जननी कहा जाता है। कोयला मुख्यत: अवसादी चट्टानो से निकाला जाता है। 4 प्रकार कें कोयला कार्बन की मात्रा के आधार पर वर्गीकृत है।

(A) एन्थ्रेसाइट — 80-90% कार्बन अंश (उच्चकोटी)

(B) बिटुमिनस — 70-80% —"—

(C) पीट — 60-50% —"—

(D) लिग्नाइट — 40% —"— निम्न कोटी

— भारत मेंं कोयले के तीन प्रमुख क्षेत्र है।

1. दामोदर घाटी ः पश्चिम बंगाल (रानीगंज), झारखंड - (झारिया, बोकारो)
   — 80% कोयला भंडार है।
2. सोन महानदी घाटी ः म.प्र. सोहागपुर, सिंगरौली, छ.ग. - कोरबा, उडीसा के ~~तालचर~~ —
3. गोदावरी वर्धा क्षेत्र ः आंध्रप्रदेश के ~~सिंग~~ एवं महाराष्ट्र के चांदा एवं बल्लारपुरा क्षेत्र।

2 (B) अपभू एवं उपभू ज्वार में अंतर ः

ज्वार — महासागरीय जल में सूर्य तथा चँद्रमा की आकर्षण शक्ति के फलस्वरूप ज्वार आते है।

अपभू ज्वार

~~निम्न~~उपभू ज्वार

अपभू ज्वार	उपभू ज्वार
(1) (अ) जब सूर्य, चँद्रमा, पृथ्वी तीनों एक सीधी रेखा में होते है। दीर्घ ज्वार आते है।	(अ) जब पृथ्वी, सूर्य, चंद्रमा समकोण पर होते है। उपभू ज्वार आते है।
(2) (अ) अमावस्या, पूर्णिमा	(अ) सप्तमी, अष्टमी
(3) (अ) चँद्रमा सूर्य का आकर्षण एक ही दिशा मे कार्यरत होता है।	(अ) आकर्षण बल विपरीत दिशा मे होता है। (सूर्य एवं चँद्रमा का)
(4) (अ) समान·	

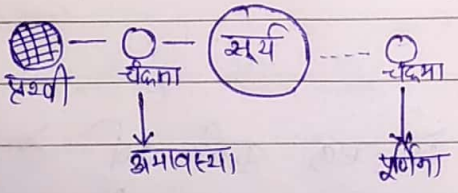

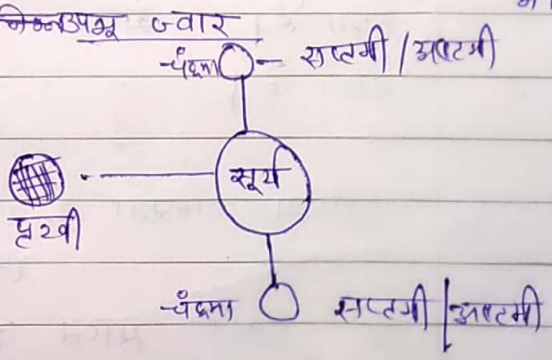

Scanned by CamScanner

Subject ________ Date: __/__/__ MON TUE WED THR FRI SAT SUN

2(E) (4) सामान्य ज्वार से 20% अधिक ऊँचा होता है। - 20% कम नीचा होता है।

2(C) भारत में पैट्रोलियम संसाधनो का वितरण :-
पेट्रोलियम अवसादी चट्टानो से प्राप्त होता है। इसके अंतर्गत पैट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल, गैसोलीन आते है।

(4) प्रमुख पैट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र -
(1) ब्रह्मपुत्र घाटी - असम का डिग्बोई, सूरमाघाटी, नहरकटिया
(2) गुजरात तट - अंकलेश्वर, नवगाम, खंभात
(3) पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र - बाम्बे हाई
(4) पूर्वी अपतटीय क्षेत्र

1956 मे देश मे तेल उत्पादन एवं अनुसंधान हेतु ONGC का गठ किया।
प्राकृतिक गैस → यह भी खनिज तेलो से संबंध रूप मे मिलती है। उत्पादक क्षेत्र → बाम्बे हाई, असम - नहरकटिया

2(D)

Scanned by CamScanner